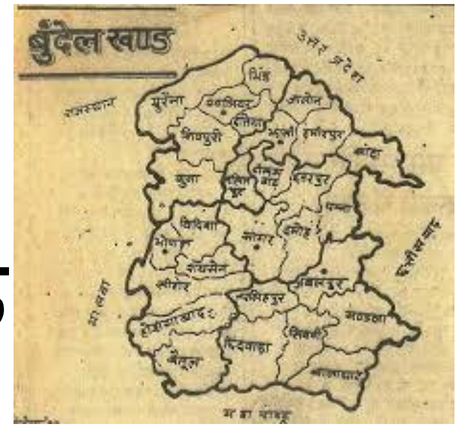
अरविन्द कुमार त्रिपाठी द्वारा पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन





जाति व व्यवस्था
Caste System

Puratan BANDA, Bundelkhand ka Sankshipt Varnan

Arvind Kumar Tripathi

ISBN : 978-93-5906-820-6

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

जाति व व्यवस्था Caste System

अध्याय शीर्षक	जाति व व्यवस्था
सर्वाधिकार	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
आइ एस बी एन/ **ISBN**	**978-93-5906-820-6**
प्रकाशक	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक ग्राम – अछरौन्ड, बान्दा – 210 001 उत्तर प्रदेश
मूल्य	निःशुल्क, पुस्तक मित्र को देना
सन्स्करण	प्रथम, 01 अप्रैल 2020
आवरण/मुखपृष्ठ	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
शब्द – संयोजन	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
मुद्रक	अरविन्द कुमार त्रिपाठी, लेखक
सन्दर्भ/साभार/सौजन्य	अध्याय **Reference** देखे

Chapter Heading	**Caste System**
Copyright @	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
ISBN	**978-93-5906-820-6**
Publisher	**Arvind Kumar Tripathi** **Village - Achharaund** **Banda - 210 001** **Uttar Pradesh**
Price	**Free, Circulate to Friends**
Edition	**First, 01 April 2020**
Cover Main	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Word Compositor	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Printer	**Arvind Kumar Tripathi, The Writer**
Reference/ Gratitude/ courtesy	**Peruse Chapter - REFERENCE**

जाति व व्यवस्था Caste System

पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड – लोक जाति व व्यवस्था का संक्षिप्त वर्णन

जाति व व्यवस्था Caste System

अरविन्द कुमार त्रिपाठी कृत पुरातन बान्दा, बुन्देलखण्ड का संक्षिप्त वर्णन

जाति व व्यवस्था

सभ्यता पक्ष –

इसके अन्तर्गत आवास–प्रवास, रहन–सहन, दैनिक कार्य, लोकाचार, टोटका, भोजन–व्यन्जन, लोकरन्जन, लोकमन्च, लोक कथाएं, लोक बाजियां और उद्यम व्यापार आदि की चर्चा की जाती है। यहां की जीवन शैली पूर्ण तरह मौलिक है। संचार अवस्थाएं ना होने की वजह से इसमें मिश्रण ना के बराबर हुआ है। अतः यहां की लोक संस्कृति विशिष्ट है। वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज व्यवस्था सामान्य वादी, पारस्परिक स्नेह एवं सम्मानवर्धक है। इस क्षेत्र में किसी भी जाति को निम्न निगाहों से नहीं देखा जाता है। सभी एक दूसरे का सम्मान करते हैं, बिना उनके कोई भी कार्य संभव नहीं है। सभी एक दूसरे के काम में व काम के आवश्यक अंग है। ब्राह्मण की पुत्री के विवाह में भी नाई का एक विशिष्ट स्थान है। शादी से लेकर बुलौआ(निमन्त्रण) देने तक, लोगों को बुलाने तक का काम नाई करता है। धोबी से सुहाग मांगा जाता है। शादी के पूरे समय में नाउन का काम बहुत महत्वपूर्ण है। विदा होने तक नाउन दुल्हन के साथ साथ रहती है। यह सामाजिक एकरूपता में सभी वर्ग अन्योन्याश्रित है।

जन्म से तक का एक अनुपम उदाहरण, पारस्परिक सहयोग भावना बुंदेलखंड के लोगों के जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जन्म से मृत्यु तक पारिवारिक कार्य बुलौआ के माध्यम होने हैं व सभी प्रिय जनों को एकत्रीकरण होता है। यह नाउन का काम, विवाह के लिए लकड़ी काटने हेतु, छेई का बुलावा से अन्त्येष्टि तक का बुलौवा लगता है। इन बुलौवा के माध्यम से व्यवहार रीति के माध्यम से आर्थिक सहयोग स्वेच्छा से दिया जाता है। गरीब और अमीर द्वारा, अपनी स्वेच्छा के अनुसार अपेक्षित परिवार को भरपूर सहयोग दिया जाता है जिसमें पैसा, लकड़ी, सीधा (जिसमें आटा चावल, गेहूं, गुड़ और इसी तरह के अन्य चीजें शामिल होती हैं) दुल्हन को दी जाती है। विभिन्न अवसरो पर, भोजन बनाने में गांव की सभी स्त्रियां अपना सहयोग देती हैं और पूरा सामान अपने घर से लेकर आते हैं। जिसमें बेलन चकला और इसी तरह के अन्य सामान, बाहर से आने वाले लोग अपेक्षित परिवार के ऊपर निर्भर कम ही होते हैं। अगर बारात आनी है तो आने वाले व्यक्ति अपने किसी परिवार, सगे संबंधी के घर में रखने की कोशिश करते हैं और अगर ऐसा संभव नहीं है तो एक ऐसे स्थान पर जहां बारात और इसी तरह के लोगों को इकट्ठा किया जाता है में चारपाई कपड़े चादरे गद्दे, जाजम, नीचे बिछाने वाली दरी, चादर, जमीन पर बिछाने वाले कालीन, जिसके यहां जो उपलब्ध है, स्वेच्छा से या जानकारी देकर इकट्ठा कराया जाता है। मृत्यु के पश्चात फेरा डालने में भी आर्थिक सहयोग की भावना दृश्य है।

विनीता के पेज 71 से 84

जाति सम्बन्ध

1	भागग्टप्प्–उत्तरप्रदेश	कार्य	त्योहार
2	अगरिया		
3	बधिक		
4	बाड़ी / बारी		
5	बहेलिया		
6	बैगा		
7	बैसवार		
8	बजानिया		
9	बाजगी		
10	बलाहार		
11	बलाई		
12	बाल्मीकि		
13	बंगाली		
14	बनमानुस		
15	बांसफोर		
16	बरवार		
17	बसोर		
18	बावरिया		

जाति व व्यवस्था **Caste System**

19	बेलदार		
20	बेरिया		
21	भंटू		
22	भुइया		
23	भुइयार		
24	बोइरा		
25	चमार,धुसिया,झुसिया,जाटव		
26	चेरो		
27	दबगर		
28	धनगर		
29	धानुक		
30	धारकर		
31	धोबी		
32	डोम		
33	डोमार		
34	दुसाध		
35	घरामी		
36	घसिया		
37	गोंड		
38	गुआल		
39	हबुरा		
40	हरि		
41	हेला		
42	कलाबाज़ / कालाबाज़		
43	कंजर		
44	कपरिया		
45	करवल		
46	खैरहा		
47	खरवार		
48	खटीक		
49	खोरोट		
50	कोल		
51	कोरी		
52	कोरवा		
53	लालबेगी		
54	मझवार		
55	मजहबी		
56	मुसहर		
57	नेट		
58	पंखा		
59	परहिया		
60	पासी,तरमाली		
61	पतारी		
62	रावत		
63	सहर्या		
64	सनौरहिया		
65	सांसिया		
66	शिल्पकार		
67	तुरैहा		

68	अनुसूचितजनजातियाँ		
69	भोटिया		
70	बुक्सा		
71	जौनसारी		
72	राजी		
73	थारू		
74	गोंड,धुरिया,नायक,ओझा,पठारी,राजगोंड		
75	खरवार,खैरवार		
76	सहरिया		
77	परहिया		
78	बैगा		
79	पंखा,पनिका		
80	अगरिया		
81	पतारी		
82	चेरो		
83	भुइंया		